

मटर की फलियों का कीट एक गंभीर कीट समस्या

अनुराग तिवारी, डॉ. नवीन विक्रम सिंह, डॉ. बाल मुकुंद पांडे, डॉ. राहुल कुमार एवं डॉ. सी० के० त्रिपाठी

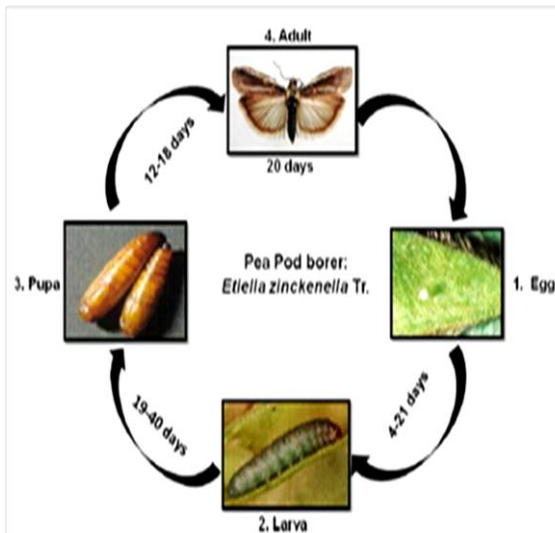
परिचय:

मटर (*Pisum sativum* L.) एक महत्वपूर्ण दलहनी फसल है जो मुख्य रूप से सब्जियों और प्रोटीन के स्रोत के रूप में उपयोग की जाती है। मटर की खेती में कई कीट समस्याएँ आती हैं, जिनमें मटर की फलियों का कीट, जिसे वैज्ञानिक रूप से *Etiella zinckenella* कहा जाता है, प्रमुख है। यह कीट मटर की उपज और गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

पहचान:

यह कीट एक प्रकार की सूंडी (caterpillar) होती है, जिसकी वयस्क अवस्था एक भूरे रंग की पतंगा (moth) होती है। इसके लार्वा का रंग हरा, भूरा या कभी-कभी हल्का पीला हो सकता है, और शरीर पर हल्की धारियाँ होती हैं। यह कीट मुख्यतः फली के अंदर घुसकर दानों को खाता है।

जीवन चक्र:



- मादा पतंगा अंडे फली या पत्तियों पर देती है।
- अंडों से लार्वा निकलकर फली के अंदर घुसता है और दानों को खाता है।
- लार्वा 2-3 सप्ताह तक भोजन करता है और फिर मिट्टी में जाकर प्यूपा बनाता है।
- कुछ दिनों बाद वयस्क पतंगा बाहर निकलता है और चक्र दोबारा शुरू होता है।

हानि के लक्षण:

- फली में छेद दिखाई देना।
- दानों का खाया हुआ या खराब होना।
- पौधे की समग्र उपज में कमी आना।
- संक्रमित फलियाँ समय से पहले सूखना।

प्रबंधन के उपाय:

सांस्कृतिक उपाय:

- समय पर बुवाई करें।
- कीट-सहिष्णु किस्मों का चयन करें।
- संक्रमित फसल अवशेषों को नष्ट करें।

यांत्रिक नियंत्रण:

- संक्रमित फलियों को तोड़कर नष्ट करें।
- फेरोमोन ट्रैप का उपयोग करें (लाइट ट्रैप या सेक्स फेरोमोन ट्रैप)।

जैविक नियंत्रण:

- Trichogramma* परजीवी ततैया का प्रयोग करें।

अनुराग तिवारी, डॉ. नवीन विक्रम सिंह, डॉ. बाल मुकुंद पांडे, डॉ. राहुल कुमार एवं डॉ. सी० के० त्रिपाठी
कृषि संकाय (कीट विज्ञान विभाग)
कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुल्तानपुर

- ☞ *Bacillus thuringiensis* (Bt) जैसे जैविक कीटनाशकों का छिड़काव करें।

रासायनिक नियंत्रण:

- ☞ अत्यधिक संक्रमण की स्थिति में स्पिनोसेड 45% SC @ 1 मिली/लीटर या इंडॉक्साकार्ब 14.5% SC @ 1 मिली/लीटर का छिड़काव करें।
- ☞ कीटनाशक का प्रयोग विशेषज्ञ की सलाह अनुसार और सुरक्षित अंतराल (pre-harvest interval) को ध्यान में रखकर करें।

